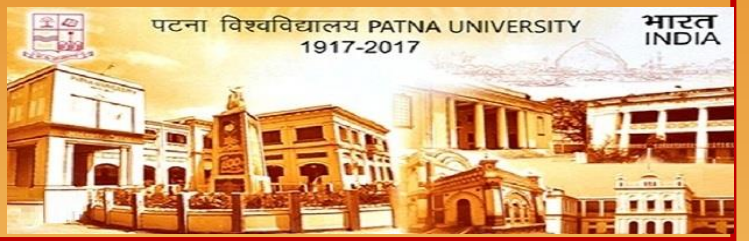

Patna University In News (20.02.2023)

दैनिक भास्कर

मार्च में शुरू हो जाएगा 900 छात्राओं के लिए छात्रावास निर्माण का काम

पटना विवि में पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट सहित दो विषयों की पढ़ाई होगी

भूगर्भ शास्त्र के प्लेटिनम जुबली पर विशेष आवरण व डाक टिकट लॉन्च किया गया

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

ज्यूलॉजिकल म्यूजियम को अत्याधुनिक बनाने की मांग

पटना विश्वविद्यालय का भूगर्भशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय के प्लैटिनम जुबली समारोह का ऑनलाइन आयोजन किया गया। उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर गिरीश कुमार चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि भूगर्भशास्त्र विभाग के छात्र जीएसआई, ओएनजीसी, कोल इंडिया, सेन्ट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, इरिगेशन प्रोजेक्ट सहित कई क्षेत्रों अपना नाम रौशन कर रहे हैं। जुलाई तक विश्वविद्यालय का सत्र 100 प्रतिशत ठीक हो जाएगा। विश्वविद्यालय के संरचनात्मक ढ़ाचें के विकास के लिए उन्होंने बिहार सरकार को प्रस्ताव दिया और पहले फेज में 150 करोड़ की लागत से एकेडमिक ब्लॉक व प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण मार्च से आरंभ हो जाएगा। साथ ही 900 छात्राओं को रहने के लिए 151 करोड़ की लागत से नया छात्रावास के लिए काम जुलाई तक शुरू हो जाएग। कुलपति ने कहा कि भूगर्भ शास्त्र विभाग की जो भी समस्या है उसे विभागाध्यक्ष प्रस्ताव बनाकर दें विश्वविद्यालय उसे हल करेगा। कुलपति ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से पटना विवि में सिस्मिक रिसर्च सेन्टर बनकर तैयार है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ रंजन प्रसाद यादव ने कहा कि ये उनके लिए गर्व की बात है कि वे भूगर्भशास्त्र के छात्र व शिक्षक रहें।

भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अतुल आदित्य पांडेय ने कहा कि ज्यूलॉजिकल म्यूजियम को अत्याधुनिक बनाया जाए। अब पटना विवि में पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट सहित दो विषयों की पढ़ाई होगी। इसके लिए कुलपति ने प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा है। मौके पर डाक विभाग के वरीय डाक अधीक्षक राजदेव प्रसाद व अन्य अतिथियों के द्वारा भूगर्भ शास्त्र के प्लेटिनम जुबली पर विशेष आवरण व डाक टिकट लॉन्च किया गया। अतिथियों ने स्मारिका, एलुमनी डायरेक्टरी व लेक्चर सीडी का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्रीनारायण सिन्हा, डॉ विजय शंकर दुबे, डॉ एमएन सिन्हा, डॉ बसंत कुमार मिश्रा, डॉ रमेश कुमार शुक्ला मौजूद थे।

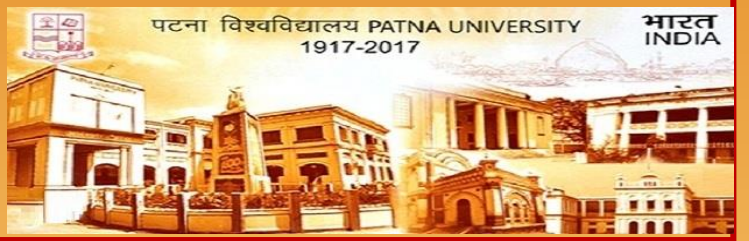

Patna University In News (20.02.2023)

समारोह. भूगर्भ शास्त्र विभाग के प्लेटिनम जुबली सह एलुमिनी मीट में बोले कुलपति

जल्द ही पुराने गौरव को प्राप्त करेगा पीयू

संवाददाता, पटना

पटना यूनिवर्सिटी (पीयू) के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने कहा कि पीयू जल्द अपने पुराने गौरव को वापस लायेगा. शिक्षा का स्तर और उच्च होगा. कुलपति रविवार को भूगर्भ शास्त्र विभाग के प्लेटिनम जुबली समारोह पर एलुमिनी मीट को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि पीयू भूगर्भशास्त्र के स्टूडेंट्स कई क्षेत्रों में परचम लहरा रहे हैं. वे जीएसआइ, ओएनजीसी, कोल इंडिया, सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, इरिगेशन प्रोजेक्ट सहित कई क्षेत्रों में नाम रौशन कर रहे हैं. विश्वविद्यालय छात्रों के लिए मां के समान होती है, इसलिए छात्रों का दायित्व है कि वे विभाग व विवि के विकास में सहयोग करें. जुलाई तक पीयू का सत्र पटरी पर आ जायेगा. पीयू के विकास के लिए उन्होंने बिहार सरकार को प्रस्ताव दिया और पहले फेज में 150 करोड़ की लागत से एकेडमिक ब्लॉक व प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण मार्च से शुरू हो जायेगा.

सीएम नीतीश कुमार के आदेश से पीयू में सिस्मिक रिसर्च सेंटर बनकर तैयार : प्रो रणबीर नंदन

भूगर्भ शास्त्र विभाग के प्लेटिनम जुबली समारोह में शामिल अतिथि.

प्लेटिनम जुबली पर डाक विभाग ने विशेष आवरण व लिफाफा किया लांच

समारोह में डाक विभाग के वरीय डाक अधीक्षक राजदेव प्रसाद व अन्य अतिथियों के द्वारा विशेष आवरण व लिफाफा लांच किया गया. इसके अलावा स्मारिका व डायरेक्टरी व लेक्चर सीडी लांच किया गया. कार्यक्रम में विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो श्रीनारायण सिन्हा, डॉ विजय शंकर दुबे, डॉ एमएन सिन्हा, डॉ बीके मिश्रा, डॉ रमेश कुमार शुक्ला सहित विभाग के सेवानिवृत कर्मियों को सम्मानित किया गया. संचालन डॉ भवुक शर्मा, स्वागत भाषण डीन डॉ अनिल कुमार व धन्यवाद ज्ञापन डॉ कृति यादव ने किया. मौके पर पटना सायंस कॉलेज के प्राचार्य आरके मंडल, डॉ श्रीनारायण सिन्हा, डीजी पुलिस आलोक राज, वेयर हाउसिंग के एमडी आशुतोष वर्मा, डॉ अशोक कुमार घोष, डीजीएम एचपीसील संजय कुमार, ओएनजीसी के जीएम रेमश उपाध्याय, एसबीआइ के जीएम रहे पारिजात सौरभ, आइएएस रमाशंकर, झारखंड के आइएएस शेखर जमुआर, राजीव लोचन, मनोज कुमार, आइपीएस एसके झा, प्रो सुहैली मेहता आदि मौजूद थे. शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम में डीजी आलोक राज आदि उपस्थित थे.

पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट सहित दो विषयों की पढ़ाई : विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद डॉ रंजन प्रसाद यादव ने कहा कि ये उनके लिए गर्व की बात है कि वे भूगर्भशास्त्र के छात्र व शिक्षक रहे. भूगर्भशास्त्र विभाग को जब उनकी जरूरत होगी वे मदद को तैयार रहेंगे. कार्यक्रम के संयोजक प्रो रणबीर नंदन ने कहा कि भूगर्भशास्त्र के छात्र देश में यूपीएससी में सबसे अधिक हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से पीयू में सिस्मिक रिसर्च सेंटर बनकर तैयार है. यहां से बिहारवासियों को भूकंप सहित अन्य भौगोलिक बदलाव एवं आपदाओं के बारे में जानकारी मिल जायेगी. भूगर्भशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ अतुल आदित्य पांडेय ने कुलपति से मांग की कि विभाग के पुराने भवन को तोड़ नये जी प्लस थ्री भवन बनाएं.

प्रभात खबर
Mon, 20 February 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71769954

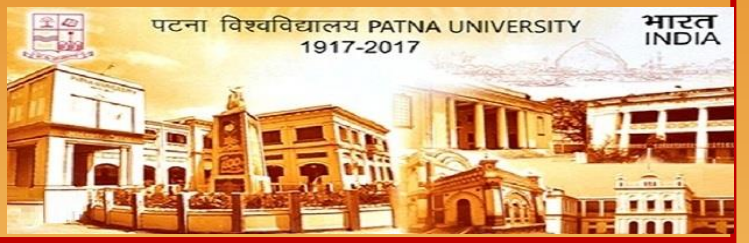

Patna University In News (20.02.2023)

पटना कॉलेज में भी शुरू होगी साइंस विषय की पढ़ाई, सीटों की संख्या बढ़ेगी

संवाददाता, पटना

पटना यूनिवर्सिटी (पीयू) के कुलपति प्रो गिरीश कुमार चौधरी ने कहा कि पीयू जल्द अपने पुराने गौरव को वापस लायेगा. शिक्षा का स्तर और उच्च होगा. पीयू में साइंस की सीटें बढ़ायी जायेंगी. इसके लिए जल्द ही पटना कॉलेज में विज्ञान विषय की भी पढ़ाई शुरू होगी. कुलपति रविवार को भूगर्भ शास्त्र विभाग के प्लेटिनम जुबली समारोह पर आयोजित एल्युमिनी मीट को संबोधित कर रहे थे. कुलपति प्रो चौधरी ने कहा कि पटना कॉलेज में साइंस की पढ़ाई के लिए एकेडमिक काउंसिल में प्रस्ताव लिया जायेगा. सभी प्रक्रिया पूरी **बाकी पेज 08 पर**

सिलेबस एक, लेकिन पटना कॉलेज से मैथ पढ़ने वाले को बीए की मिलती है डिग्री

प्रो तरुण कुमार ने कहा कि पटना कॉलेज में पहले से मैथ और स्टैटिस्टिक्स विषय की पढ़ाई हो रही है, लेकिन इसकी डिग्री बीए की दी जाती है. पटना कॉलेज से मैथ और स्टैटिस्टिक्स पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को बीए न करके बीएससी मैथ और बीएससी स्टैटिस्टिक्स की डिग्री दी जानी चाहिए, क्योंकि सिलेबस एक है. यही सिलेबस पढ़ने वाले स्टूडेंट्स अगर बीएन कॉलेज या सायंस कॉलेज से पढ़ाई करते हैं, तो बीएससी की डिग्री मिलती है. इस कारण पटना कॉलेज के डिग्री को भी बीएससी की डिग्री मैथ और स्टैटिस्टिक्स में मिलनी चाहिए. नयी शिक्षा नीति में आर्ट्स व साइंस एक साथ पढ़ने का ऑप्शन है. लेकिन कॉलेज में केवल आर्ट्स की पढ़ाई होती है. आर्ट्स पढ़ने वाले स्टूडेंट्स अगर साइंस पढ़ना चाहेंगे, तो कहां पढ़ेंगे. इस कारण पटना कॉलेज में साइंस विषय की पढ़ाई होनी चाहिए. इससे शिक्षक भी यहां आयेंगे. **देखें पेज 07 भी**

प्रभात खबर Mon, 20 February 2023
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/71732992

सीइटी बीएड के लिए आज से करें आवेदन

पटना. सीइटी बीएड व शिक्षा शास्त्री 2023 की प्रवेश परीक्षा के लिए अभ्यर्थी 20 फरवरी से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट www.biharcetbed-lnmu.in पर 15 मार्च तक फॉर्म भर सकते हैं. विलंब शुल्क के साथ 16 से 20 मार्च तक आवेदन कर सकेंगे. किसी प्रकार की त्रुटि का सुधार दिनांक 16 से 20 मार्च तक कर सकते हैं. एडमिट कार्ड 30 मार्च से डाउनलोड किया जा सकेगा. परीक्षा की संभावित तिथि आठ अप्रैल है. फॉर्म भरने में परेशानी होगी तो हेल्पलाइन नंबर 07314629842, 9431041694 एवं इ-मेल helpdeskcet-bed2023@gmail.com पर संपर्क कर सकते हैं. **देखें पेज 07 भी**

प्रभात खबर Mon, 20
https://

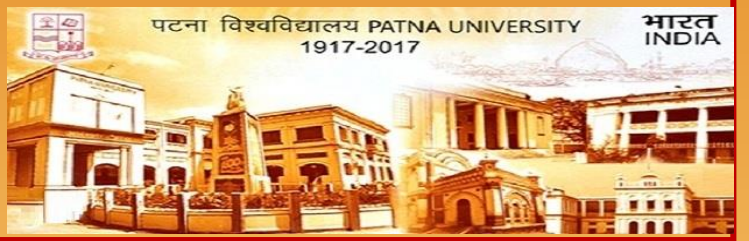

Estd. 1917

पटना विश्वविद्यालय

Patna University

Patna University In News (20.02.2023)

हिन्दुस्तान

कुलपति ने कहा, जल्द प्रस्ताव बनाकर काउंसिल में रखा जाएगा

पटना कॉलेज में भी शुरू होगी विज्ञान की पढ़ाई

तैयारी

पटना, वरीय संवाददाता। पटना कॉलेज में विज्ञान की पढ़ाई शुरू की जाएगी। पटना विवि की ओर से इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। विवि के कुलपति प्रोफेसर गिरीश कुमार चौधरी ने बताया कि जल्द ही इसका प्रस्ताव बनाकर एकेडमिक काउंसिल में रखा जाएगा।

उन्होंने बताया कि पीयू में विज्ञान की सीटें बढ़ायी जाएंगी। पटना कॉलेज कैंपस स्थित वाणिज्य महाविद्यालय को दरभंगा हाउस में शिफ्ट करने के बाद उसी बिल्डिंग में विज्ञान की पढ़ाई शुरू करायी जाएगी। सभी प्रक्रिया पूरी करने के बाद इसे राजभवन भेज दिया जाएगा। वहां से एप्रूवल मिलने पर पटना कॉलेज में विज्ञान विषय की पढ़ाई शुरू होगी। वैसे भी नई शिक्षा नीति के तहत आर्ट्स व साइंस की पढ़ाई स्टूडेंट्स एक साथ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में मल्टी डिसिप्लिनरी शिक्षा की बात हो रही है। नई शिक्षा नीति में यह शामिल है। इस कारण अगर कॉलेजों में अगर मल्टी डिसिप्लिनरी शिक्षा नहीं दी जाएगी तो संस्थान के साथ-साथ बच्चे भी समय से काफी पीछे चले जाएंगे। रैंकिंग के मामले में भी पीछे रह जाएंगे। वर्तमान समय में नैक में जिस तरह से रेटिंग मिल रही है। उस हिसाब से सभी कॉलेजों को अपडेट करने की जरूरत है। यही कारण है पटना कॉलेज में अब साइंस की पढ़ाई होनी चाहिए। वर्तमान समय में पटना कॉलेज में पहले से गणित और सांख्यिकी विषय की पढ़ाई हो रही है, लेकिन इसकी डिग्री बीए की दी जाती है। पटना कॉलेज से गणित और सांख्यिकी पढ़ने वाले छात्रों को बीए न करके बीएससी गणित और बीएससी सांख्यिकी की डिग्री प्रदान करनी चाहिए। क्योंकि दोनों सिलेबस एक तरह का है।

पटना विवि के भूगर्भशास्त्र विभाग के प्लैटिनम जुबली समारोह सह पूर्ववर्ती छात्र मिलन में स्मारिका का विमोचन करते (बाएं से) अतुल आदित्य, प्रो. रणबीर नंदन, आरके मंडल, गिरीश चौधरी, डॉ. रंजन प्रसाद यादव और श्रीनारायण सिन्हा।

पटना विवि पुराने गौरव को जल्द प्राप्त करेगा : कुलपति

पटना, वसं। पटना विवि अपने पुराने गौरव को वापस लाने के लिए प्रयत्नशील है। इसमें सरकार से मदद भी मिल रही है। यहां के छात्र देश के हर कोने में अपनी प्रतिभा के बल पर मुकाम हासिल कर रहे हैं। भूगर्भशास्त्र के विद्यार्थियों ने भी ऐसा ही किया है। ये जीएसआई, ओएनजीसी, कोल इंडिया, सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, इरिगेशन प्रोजेक्ट सहित कई क्षेत्रों अपना नाम रौशन कर रहे हैं।

ये बातें भूगर्भशास्त्र विभाग के प्लैटिनम जुबली समारोह सह पूर्ववर्ती छात्र मिलन में पटना विवि के कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने कहीं। उन्होंने कहा, विवि के संरचनात्मक ढांचे के विकास के लिए बिहार सरकार को प्रस्ताव दिया गया है। पहले फेज में 150 करोड़ की लागत से एकेडमिक ब्लॉक व प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण मार्च से आरंभ किया जाएगा। साथ ही 151 करोड़ की लागत से नया छात्रावास के लिए काम जुलाई तक आरंभ हो जाएगा। पूर्व सांसद डॉ. रंजन प्रसाद यादव ने कहा कि ये उनके लिए गर्व की बात है कि वे भूगर्भशास्त्र के छात्र व शिक्षक रहें। पूर्व एमएलसी प्रो. रणबीर नंदन कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से पटना विवि में सिस्मिक रिसर्च सेन्टर बनकर तैयार है। कार्यक्रम में विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. श्रीनारायण सिन्हा, डॉ. विजय शंकर दुबे, डॉ. एमएन सिन्हा, डॉ बसंत कुमार मिश्रा, डॉ रमेश शुक्ला सहित विभाग के सेवानिवृत कर्मियों को सम्मानित किया गया।

डाक टिकट लॉन्च

डाक विभाग के वरीय डाक अधीक्षक राजदेव प्रसाद व अन्य अतिथियों के द्वारा भूगर्भ शास्त्र के प्लेटिनम जुबली पर विशेष आवरण व डाक टिकट लॉन्च किया गया। इसके अलावा स्मारिका, एलुमनी डायरेक्टरी, लेक्चर सीडी का भी अनावरण किया गया।

हिन्दुस्तान

गुरुजनों के स्नेह से मिलती है सफलता

साइंस कॉलेज

रविवार को स्वर्ण जयंती सम्मेलन में उपस्थित सायंस कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र।

पटना। छात्र जीवन किसी भी इंसान के जीवन का सबसे स्वर्णिम दौर होता है। कॉलेज के दिनों में जो छात्र अच्छी शिक्षा और गुरुजनों से स्नेह पाता है वह अपने जीवन में सफल होता है। ये बातें रविवार को पटना क्लब में सायंस कॉलेज के सत्र 1970-72 के बैच के पूर्ववर्ती छात्रों की ओर से आयोजित स्वर्ण जयंती सम्मेलन में संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती छात्रों ने कही। स्वर्ण जयंती सम्मेलन में बड़ी संख्या में कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र शामिल हुए।

कॉलेज के दिनों की यादों को साझा करते हुए नालंदा खुला विवि के कुलपति प्रो. केसी सिन्हा ने कहा कि पढ़ाई की गुणवत्ता और छात्रों व शिक्षकों की अथाह परिश्रम के कारण हमारे बैच के लगभग सभी छात्र अच्छे मुकाम पर हैं। उन्होंने छात्रों को अपने शिक्षकों के प्रति आदर का भाव रखने का संदेश दिया। फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, पटना से निदेशक के पद से सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. अनिल सिन्हा ने कहा, सायंस कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों ने हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल की है। सायंस कॉलेज ने कई प्रतिभाओं को जन्म दिया है। मौके पर वरिष्ठ पत्रकार विजय भास्कर, नंद कुमार ओझा, जोगेश्वर सिंह ने आयोजकों के रूप में मुख्य भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विकास शरण, उमाशंकर अग्रवाल, प्रोफेसर धीरेंद्र मिश्रा, श्याम सिन्हा, शीला सिंह, सतीश कपूर, प्रोफेसर दिग्विजय सिंह आदि पूर्ववर्ती छात्र के रूप में मौजूद रहे।

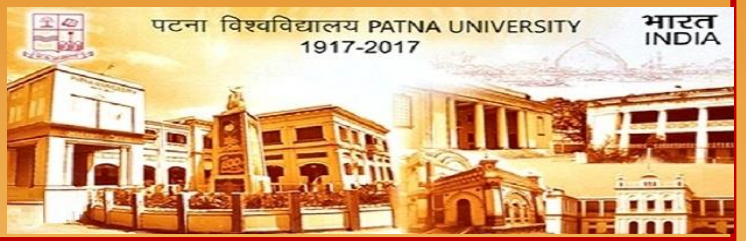

Patna University In News (20.02.2023)

दैनिक जागरण

पटना कालेज में साइंस की पढ़ाई के लिए एकेडमिक काउंसिल से पास होगा प्रस्ताव

फिजिक्स विभाग के फैकल्टी थे पटना साइंस कालेज के प्रथम प्राचार्य वीएच जैक्सन

जागरण संवाददाता, पटना : राज्य के सबसे पुराने और कई विश्वविद्यालयों की जननी रहे पटना कालेज में साइंस की पढ़ाई दोबारा प्रारंभ होगी। इसकी कवायद पटना विश्वविद्यालय ने शुरू कर दी है। कुलपति प्रो. गिरीश कुमार चौधरी ने बताया कि कालेज प्रशासन से प्रस्ताव मिला है। एकेडमिक काउंसिल से पास कराने के बाद इसे राज्य सरकार के पास स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। पटना कालेज में शुरूआत के वर्षों में साइंस, मेडिकल, इंजीनियरिंग व ला जैसे विषयों की पढ़ाई होती थी, बाद के वर्षों में पटना ला कालेज, बिहार इंजीनियरिंग कालेज, पीएमसीएच व वाणिज्य महाविद्यालय की स्थापना की गई और साइंस विषयों की पढ़ाई बंद कर दी गई थी।

नई शिक्षा नीति के अनुपालन के लिए कालेज प्रशासन ने की पहल कुलपति ने कहा-राज्य सरकार को भी भेजा जाएगा प्रस्ताव

कालेज की मान्यता के लिए है जरूरी : प्राचार्य प्रो. तरुण कुमार ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत छात्र साइंस और आर्ट्स विषयों की पढ़ाई एक साथ कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति को प्रभावी करने के लिए साइंस की पढ़ाई प्रारंभ करना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) आदि से कालेज को मान्यता ही नहीं मिल पाएगी। सभी शिक्षण संस्थानों को नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम संचालन अनिवार्य रूप से किया जा रहा है।

अभी मिलती है बीए गणित की डिग्री : पटना कालेज में स्नातक स्तर पर गणित और सांख्यिकी की पढ़ाई होती है। इसका सिलेबस भी पटना साइंस कालेज में स्नातक कोर्स के समान है। पटना साइंस कालेज में बीएससी मैथ और बीएससी स्टैटिस्टिक तथा पटना कालेज में बीए मैथ और बीए स्टैटिस्टिक की डिग्री मिलती है। प्राचार्य का कहना है कि जब सिलेबस एक है तो पटना कालेज के छात्रों को भी बीएससी की डिग्री मिलनी चाहिए। इसका भी प्रस्ताव विश्वविद्यालय प्रशासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

नेपाल, झारखंड, ओडिशा व बिहार का पहला कालेज

पटना कालेज की स्थापना नौ जनवरी, 1863 को हुई थी। नेपाल और बिहार (वर्तमान झारखंड व ओडिशा) के विद्यार्थियों के लिए इसे प्रारंभ किया गया था। पटना कालेज के प्रशासनिक भवन के मध्य भाग का निर्माण 1680 में कराया गया था। बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह और पश्चिम बंगाल के पहले मुख्यमंत्री डा. बीसी राय पटना कालेज के ही छात्र थे। पटना साइंस कालेज के पहले प्राचार्य वीएच जैक्सन और केएस काडवेल पटना कालेज में क्रमश: फिजिक्स और केमिस्ट्री के फैकल्टी थे। वीएच जैक्सन पटना विश्वविद्यालय के कुलपति भी थे।

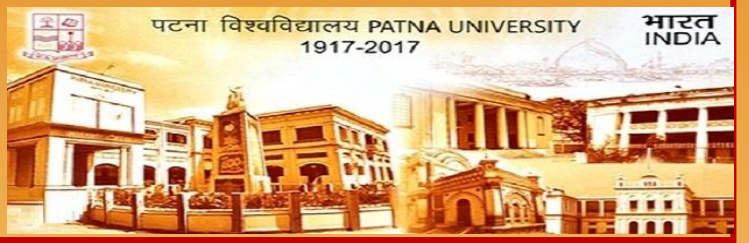

Patna University In News (20.02.2023)

Move to build a G+3 block of PU geology dept: VC

Department To Introduce Two New PG Diploma Courses From Next Academic Session

B K Mishra | TNN

Patna: The 75-year-old geology department of Patna University (PU) will soon get a new G+3 block on its campus to accommodate a world class library and laboratory for the benefit of its faculty and scholars. It will be constructed at the site of old soap building lying defunct for the last several decades.

Making this announcement at the platinum jubilee celebrations of the department at the Patna Science College grounds here on Sunday, Patna University (PU) vice-chancellor Girish Kumar Choudhary said he would also initiate steps for the construction of a beautiful geological field museum in front of the department. He asked the department head to submit a detailed proposal to these in this respect to the university at the earliest so that the same may be forwarded to the state government.

Speaking as the chief guest at the function, the VC said the geochemical lab of the department, which once attracted scholars from India and abroad, would also be modernized and the university would sanction necessary funds for the purpose. Besides, the demand of the department for purchase of some costly instruments would also be fulfilled by the university in the larger interest of research scholars.

Rahul Sharma

The alumni of Patna University geology department at its platinum jubilee celebration

The department would launch two new PG diploma courses in disaster management and remote sensing and GIS from the next academic session. Detailed proposals to this effect duly approved by the statutory bodies of the university have already been sent to the state government.

He said the university has already initiated necessary steps for promoting research activities in the university. A separate research development cell has been constituted and a corpus fund is being created to sanction financial assistance to good research projects submitted by university teachers who are not being funded by some funding agencies like UGC or DST. To start with, a grant of Rs5 lakh would be sanctioned to each of the selected proposals, he said.

The VC released a special postal cover to commemorate the department's glorious journey of 75 years. An informative souvenir containing write-ups on geological topics of national and international interests and a directory of alumni was released. The VC also released a collection of platinum jubilee lectures delivered by eminent geoscientists during the year-long celebrations.

Former MP Ranjan Prasad Yadav, former MLC Ranbir Nandan, senior superintendent of Posts, Rajdeo Prasad, former department head S N Sinha, Patna Science College principal R K Mandal and PU students' welfare dean Anil Kumar also addressed the function. While, Yadav assured the department of all help in its all-round development, Nandan thanked the chief minister for setting up the seismic research centre at Patna Science College.

PU geology department head Atul Aditya Pandey briefed the history of growth of the department during the last 75 years and outlined its recent academic achievements.

Hundreds of alumni occupying top positions in different organizations like Geological Survey of India, Central Groundwater Board, ONGC, Oil India Ltd, Coal India Ltd, National Mineral Development Corporation, besides the academics, bureaucracy and politics attended the function and refreshed their student days' memories. A grand cultural programme was presented by the alumni in the evening.

THE TIMES OF INDIA